



**Jharkhand Council of Educational Research and Training, Ranchi**  
**झारखण्ड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, रँची**  
**प्रतिदर्श प्रश्न पत्र**  
**(MODEL QUESTION PAPER)**

**सत्र: 2025-26**

कक्षा -10	विषय-हिन्दी- बी	पूर्णांक- 80	समय-3 घंटे
-----------	-----------------	--------------	------------

**निर्देश :**

- परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें। पुस्तिका में 12 मुद्रित पृष्ठ हैं।
- इस प्रश्न पत्र में चार खण्ड - क , ख , ग , एवं घ हैं। कुल प्रश्नों की संख्या 52 है।
- खण्ड क में कुल 30 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के चार विकल्प दिए गए हैं, इनमें से एक सही विकल्प का चयन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का मान 1 अंक निर्धारित है।
- खण्ड ख में प्रश्न संख्या 31 - 38 अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का मान 2 अंक निर्धारित है।
- खण्ड ग में प्रश्न संख्या 39 - 46 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का मान 3 अंक निर्धारित है।
- खण्ड घ में प्रश्न संख्या 47 - 52 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का मान 5 अंक निर्धारित है।

## (खण्ड - क)

### अपठित बोध

**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर डीजी-**

भारत एक कृषि प्रधान देश है। यहाँ की अधिकांश जनसंख्या गाँवों में निवास करती है और अपनी जीविका के लिए कृषि पर निर्भर है। गेहूँ, चावल, मक्का, गन्ना और कपास ऐसी फसलें यहाँ के किसानों द्वारा उगाई जाती हैं। हरित क्रांति के बाद भारत ने खाद्यान्न उत्पादन में बड़ी प्रगति की और आज वह अनाज के उत्पादन में आत्मनिर्भर बन गया है।

खेती केवल अन्न उपजाने का ही साधन नहीं है, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ भी है। कृषि से ही कपड़ा उद्योग, चीनी उद्योग और तेल उद्योग जैसे कई अन्य उद्योग जुड़े हुए हैं। खेती में आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक तरीकों के प्रयोग से उत्पादन बढ़ा है, लेकिन अभी भी कई किसानों को सिंचाई, उर्वरक और उचित बाजार की समस्या का सामना करना पड़ता है।

यदि किसानों को आवश्यक साधन और सहयोग मिले, तो भारत कृषि के क्षेत्र में और अधिक समृद्धि प्राप्त कर सकता है। किसानों की मेहनत और त्याग से ही देशवासियों की थाली अनाज से भरती है।

**1 . गद्यांश के अनुसार, भारत को "कृषि प्रधान देश" कहने का प्रमुख कारण क्या है?**

- (क) भारत में बड़े-बड़े उद्योग हैं
- (ख) अधिकांश जनसंख्या गाँवों में रहती है और कृषि पर निर्भर है
- (ग) यहाँ विभिन्न प्रकार की फसलें उगाई जाती हैं
- (घ) हरित क्रांति के बाद खाद्यान्न उत्पादन बढ़ा

**2 . हरित क्रांति के बाद भारत की स्थिति क्या हुई?**

- (क) वह तेल उत्पादन में आत्मनिर्भर हो गया
- (ख) किसानों की सभी समस्याएँ समाप्त हो गई

(ग) कृषि पर निर्भरता घट गई

(घ) वह खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हो गया

3 . "कृषि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है" — इस कथन का सही तात्पर्य क्या है?

(क) कृषि के बिना लोग भूखे रहेंगे

(ख) कृषि किसानों को रोजगार देती है

(ग) कृषि से जुड़े उद्योग और उत्पादन देश की अर्थव्यवस्था को सहारा देते हैं

(घ) कृषि परंपरा को बनाए रखती है



4. गद्यांश के अनुसार, भारत कृषि के क्षेत्र में और अधिक समृद्धि कब प्राप्त कर सकता है?

(क) जब किसानों की मेहनत कम हो

(ख) जब किसानों को आवश्यक साधन और सहयोग मिले

(ग) जब केवल परंपरागत खेती की जाए

(घ) जब खाद्यान्न का आयात बढ़ाया जाए

**निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

आगे-आगे नाचती-गाती ब्यार चली,

दरवाज़े-खिड़कियाँ खुलने लगीं गली-गली,

पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

**पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए,**

आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए,  
 बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरके।  
 मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।  
 बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की।

बरस बाद सुधि लीन्हों—

बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की,  
 हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।  
 मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।



5 “आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली” इस पंक्ति से क्या अभिप्राय है?

- (क) बयार उदास थी
- (ख) हवा खुशमिजाज और जीवंत थी
- (ग) बयार चुप थी
- (घ) हवा बहुत तेज चल रही थी

6. पद्यांश के अनुसार, ‘पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए’ का अभिप्राय क्या है?

- (क) पेड़ टूट गए
- (ख) पेड़ सो रहे हैं
- (ग) पेड़ धीरे-धीरे झुक कर मौसम का स्वागत कर रहे हैं
- (घ) इनमें से कोई नहीं

7. पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के” में किसकी तुलना की गई है?

- (क) मेघ को शहर के पाहुनों से
- (ख) हवा को पानी से
- (ग) पेड़-पौधों को मिट्टी से

(घ) किसानों को पाहुनों से

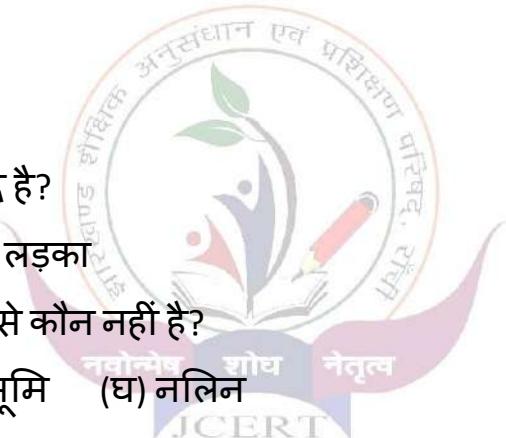
8. “बरस बाद सुधि लीन्हीं” में कौन सी भावना व्यक्त हुई है?

(क) खिन्नता

(ख) उत्सुकता और प्रसन्नता

(ग) गुस्सा

(घ) उदासी



9. निम्नलिखित में से कौन-सा अव्यय पद है?

(क) वह      (ख) तुम      (ग) परन्तु      (घ) लड़का

10. ‘पृथ्वी’ का पर्यायवाची शब्द निम्न में से कौन नहीं है?

(क) वसुधा      (ख) वसुंधरा      (ग) भूमि      (घ) नलिन

11. वाह! शब्द किस प्रकार का है?

(क) क्रिया      (ख) सर्वनाम      (ग) विस्मयादिबोधक      (घ) संज्ञा

12. ‘प्रत्येक’ शब्द में कौन-सी संधि है?

(क) यण संधि      (ख) गुण संधि      (ग) अयादी संधि      (घ) दीर्घ संधि

13. ‘हर्ष’ का विलोम शब्द क्या है?

(क) विषाद      (ख) खुशी      (ग) दुःख      (घ) उत्साह

14. ‘लोहे के चने चबाना’ मुहावरा का अर्थ है?

(क) लोहे के बने चने चबाना

(ख) आसानी से काम करना

(ग) कठिनाई से घबराना

(घ) बहुत कठिन कार्य करना या संघर्ष करना

15. 'गृहपाठ' शब्द किस समास का उदाहरण है?

- (क) तत्पुरुष (ख) द्वंद्व (ग) अव्ययीभाव (घ) बहुव्रीहि

16. 'शिक्षक' शब्द किस प्रत्यय से बना है?

- (क) अक (ख) क (ग) इक (घ) एक

### (पाठ्यपुस्तक)

**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए:**

हमारा स्कूल बहुत छोटा था – केवल छोटे-छोटे नौ कमरे थे जो अंग्रेजी के अक्षर एच (H) की भाँति बने थे। दाईं ओर पहला कमरा हेडमास्टर श्री मदनमोहन शर्मा जी का था। जिसके दरवाजे के आगे हमेशा चिक लटकी रहती। स्कूल की प्रेयर (प्रार्थना) के समय वह बाहर आते और सीधी कतारों में कद के अनुसार खड़े लड़कों को देख उनका गोरा चेहरा खिल उठता। सारे अध्यापक, लड़कों की तरह ही कतार बाँधकर उनके पीछे खड़े होते। केवल मास्टर प्रीतम चंद 'पीटी' लड़कों की कतारों के पीछे खड़े-खड़े यह देखते थे कि कौन सा लड़का कतार में ठीक नहीं खड़ा।

17. हेडमास्टर साहब के कमरे के दरवाजे पर हमेशा क्या लटका रहता था?

- (क) पर्दा (ख) जाली  
(ग) चिक (घ) परदा-झरोखा

18. प्रेयर (प्रार्थना) के समय मास्टर प्रीतम चंद 'पीटी' क्या देखते थे?

- (क) लड़कों का गाना  
(ख) लड़कों का पाठ  
(ग) लड़कों का खेल  
(घ) लड़कों की कतारों में खड़े होने की स्थिति

**निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प का चयन करें:**

पावस कृतु थी, पर्वत प्रदेश,

पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश।

मेखलाकार पर्वत अपार

अपने सहस्र दृग-सुमन फाड़,

अवलोक रहा है बार-बार

नीचे जल में निज महाकार,

- जिसके चरणों में पला ताल

दर्पण-सा फैला है विशाल।



19. . "मेखलाकार पर्वत" का अर्थ है—

- (क) पहाड़ों पर हरियाली की चादर  
(ख) विशाल पर्वत जो करधनी (कमरबंध) के आकर की तरह फैले हुए हैं  
(ग) पर्वत पर मेघों की छाया  
(घ) पर्वतों का जल से ढका हुआ होना

20. पर्वत अपने "सहस्र दृग-सुमन फाड़" किसे देख रहा है?

- (क) बादलों को      (ख) ताल को      (ग) सूर्य को      (घ) आकाश को

**निर्देश:** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन करें :

21. शैलेन्द्र ने कितनी फिल्में बनाई?

- (क) एक      (ख) दो      (ग) तीन      (घ) चार

22. मीरा किस संत की शिष्या मानी जाती है?

- (क) कबीरदास      (ख) तुलसीदास      (ग) रैदास      (घ) सूरदास

23. बड़े भाई साहब छोटे भाई से कितने वर्ष बड़े थे?

(क) तीन साल      (ख) पाँच साल      (ग) दस साल (घ) दो साल

24. 'मनुष्यता' कविता में कवि ने किन महापुरुषों का उदाहरण दिया है?

(क) राजा हरिश्चंद्र और महात्मा गांधी

(ख) दधिची और कर्ण जैसे परोपकारी महान व्यक्तियों का

(ग) बुद्ध और महावीर

(घ) गुरु नानक और ईसा मसीह



25. 'डायरी का पन्ना' कहानी कब लिखी गई?

(क) 26 जनवरी 1931 को

(ख) 26 जनवरी 1933 को

(ग) 26 जनवरी 1933 को

(घ) इनमें से कोई नहीं

26. 'सर हिमालय का न झुकने दिया' से क्या भाव है ?

(क) हिमालय की सुरक्षा

(ख) पत्थरों को न तोड़ने देना

(ग) वृक्ष न कटने देना

(घ) देश के मान सम्मान की रक्षा करना

27. 'नत शिर होकर सुख के दिन में'- से क्या आशय है?

(क) सुख के दिनों में उसके मन में विनय का भाव बना रहे

(ख) सुख के दिनों में कवि की गर्दन अकड़ जाए

(ग) सुख के दिनों में कवि के मन में अहम् भाव आ जाए

(घ) उपर्युक्त सभी

28. "पतझर में टूटी पत्तियाँ" पाठ के लेखक कौन हैं?

(क) काका कालेलकर

(ख) रवींद्र केलेकर

(ग) सुमित्रानंदन पंत

(घ) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

29.. शेख अयाज़ किस भाषा में कविता की रचना करते थे?

(क) हिंदी में

(ख) उर्दू में

(ग) सिंधी में

(घ) इनमें से कोई नहीं

30. 'ऐसी उड़ती हुई धुल से प्रतीत होता है जैसे कि एक पूरा काफिला चला आ रहा है' ... यह कथन किसका है?

(क) कर्नल कालिज का

(ख) कर्नल रोज का

(ग) किसी का नहीं

(घ) वज़ीर अली का



**(खण्ड - ख)**

**(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)**

निम्नलिखित में से किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

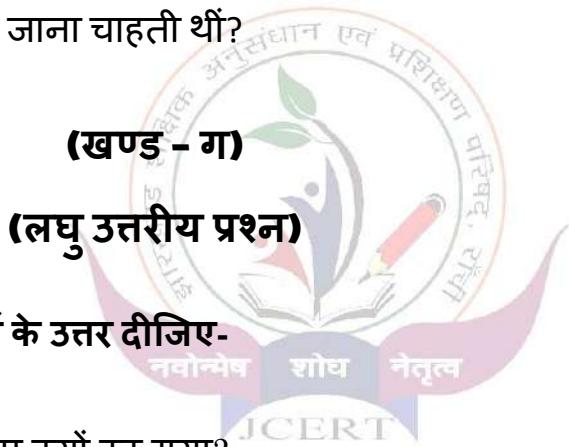
31. अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए कबीर ने क्या उपाय सुझाया है ?

32. उदार व्यक्ति की पहचान कैसे हो सकती है?

33. बड़े भाई साहब छोटे भाई से हर समय पहला सवाल क्या पूछते थे?

34. सुभाष बाबू के जुलुस का भार किस पर था?

35. शाल के वृक्ष भयभीत होकर धरती में क्यों धूँस गए?
36. सवार के जाने के बाद कर्नल क्यों हक्का-बक्का रह गया?
37. 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया', इस पंक्ति में हिमालय किस बात का प्रतीक है?
38. इफ़फ़न की दाढ़ी अपने पीहर क्यों जाना चाहती थीं?



39. धर्मतल्ले के मोड़ पर आकर जुलूस क्यों टूट गया?
40. हरिहर काका को महंत और भाई एक ही श्रेणी के क्यों लगने लगे?
41. एक दिन जब गुल्ली-डंडा खेलने के बाद छोटा भाई बड़े भाई साहब के सामने पहुँचा तो उनकी क्या प्रतिक्रिया हुई?
42. शुद्ध आदर्श की तुलना सोने से और व्यावहारिकता की तुलना ताँबे से क्यों की गई है?
43. स्काउट परेड करते समय लेखक अपने को महत्वपूर्ण 'आदमी' फौजी जवान क्यों समझने लगता है?
44. वामीरो से मिलने के बाद तताँरा के जीवन में क्या परिवर्तन आया?
45. शेख अयाज के पिता अपने बाजू पर काला च्योंटा रेंगता देख भोजन छोड़ कर क्यों उठ खड़े हुए?
46. पुरे घर में इफ़फ़न को अपने दाढ़ी से इतना विशेष स्नेह क्यों था

**(खण्ड - घ)**

**(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)**

निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

47. सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की क्या भूमिका थी?
48. हरिहर काका के गाँव में यदि मीडिया की पहुँच होती तो उनकी क्या स्थिति होती? अपने शब्दों में लिखिए।
49. अपने विद्यालय की वार्षिक खेल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रधानाध्यापक को आवेदन पत्र लिखिए।
50. बड़े भाई की डांट-फटकार अगर न मिलती, तो क्या छोटा भाई कक्षा में अव्वल आता? अपने विचार प्रकट कीजिए।
51. प्रायः अभिभावक बच्चों को खेल-कूद में ज्यादा रुचि लेने पर रोकते हैं और समय बर्बाद न करने की नसीहत देते हैं। बताइए –  
(क) खेल आपके लिए क्यों जरुरी है ?  
(ख) आप कौन से ऐसे नियम-कायदों को अपनाएँगे जिससे अभिभावकों को आपके खेल पर आपत्ति न हो?
52. किसी एक का भाव स्पष्ट करें:-
- (क)  
अब तो बहरहाल  
छोटे लड़कों की घुड़सवारी से अगर यह फ़ारिंग हो  
तो उसके ऊपर बैठकर  
चिड़ियाँ ही अक्सर करती हैं गपशप।
- (ख)  
केवल इतना रखना अनुनय–

वहन कर सकूँ इसको निर्भय।  
नत शिर होकर सुख के दिन में  
तव मुख पहचानूँ छिन-छिन में।

